

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
उत्तराखण्ड।

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अनुभाग

देहरादून दिनांक 25 अप्रैल, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत 16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान, 18-प्रकाशन, 42-अन्य व्यय, 47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का कय मानक मदों में प्राविधानित बजट को अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-33/दो-लेखा-2902/2016-17 दिनांक 08.04.16, संख्या-32/दो-लेखा-2903/2016-17 दिनांक 08.04.16, संख्या-35/दो-लेखा-2901/2016-17 दिनांक 08.04.16 एवं संख्या-34/दो-लेखा-2902/2016-17 दिनांक 08.04.16 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिये अध्यादेश संख्या-उत्तराखण्ड विनियोग (लेखानुदान) अध्यादेश संख्या-02, 2016 दिनांक 21.03.16 के माध्यम से अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2204 के विभिन्न मानक मदों के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित कुल धनराशि ₹ 2833 हजार (₹ अठाईस लाख तैंतीस हजार) मात्र के सापेक्ष उतनी ही धनराशि संलग्नक 'क' के अनुसार आपके निर्वर्तन पर रखे जाने एवं निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 एवं शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015 तथा शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31 मार्च, 2016 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

4- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

5- व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2204-खेल कूद तथा युवा सेवाएं-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-04-प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण-00-00-आयोजनागत पक्ष के नाम संलग्नक-'क' के विवरणानुसार डाला जायेगा। संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)
प्रभारी सचिव।


229
पृष्ठांकन संख्या- VI-2 / 2016-51(03)2016 टी0सी0 तद्दिनांकित।

-2-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
2. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
3. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
5. एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव।

शासनादेश संख्या- 229 / VI-2 / 2016-51(03)2016 टी0सी0

अनुदान संख्या 11

लेखाशीर्षक 2204-खेलकूद तथा युवा सेवाएं-00

001-निदेशन तथा प्रशासन

04-प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण-00

(धनराशि हजार ₹ में)

कोड	मानकमद	(आयोजनागत पक्ष) अवमुक्त की जा रही धनराशि	(आयोजनेतर पक्ष) अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	16-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	267	-
2	18-प्रकाशन	33	-
3	42-अन्य व्यय	2500	-
4	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का कय	33	-
	योग-	2833	-


(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव।